

नांदगांव टाइम्स

गुरुवार, 04 सितंबर 2025, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 49, अंक 313, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुएए



॥ जय श्री जलाराम ॥
श्री जलाराम प्रॉपर्टी जीलर
उदित दूर पर मकान, पलैट, डुलेखर,
दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लॉट
की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।
ऑफिस: बामनी बट्टी के बायें में, राजवहन कान, राजनांदगांव।
मो: 98274-61508, 83192-88559

लोक परंपराएं एवं संस्कृति समाज को जोड़ने का बेहतर माध्यम : मुख्यमंत्री साय

महिलाएं हर क्षेत्र में कर रही प्रदेश का नाम रोशन: विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, तीजा महिलाओं का मायका से जुड़ी यादों को तरौताजा करने का पर्व - राज्यस मंत्री टंक राम तर्मा



रायपुर। सावन-भादों में छत्तीसगढ़ की धरती पर पारंपरिक अस्त्रों का विशेष महत्व रहता है। इसी क्रम में आज राज्यस मंत्री श्री टंक राम वर्मा के निवास में तीजा मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा, गीत-संगीत और लोकनृत्य की अनूठी छटा देखने को मिली। महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित होकर लोकगीतों की मधुर धुनों से वातावरण को झलझलाने लगीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु नंद साय ने तीजा मिलन को समाज की एकता और संस्कृति को पश्चात बताया। उन्होंने कहा कि तीजा छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आस्था और विश्वास का पर्व है। महिलाएं इस दिन पति को लंबी आयु और परिवार को

समृद्धि के लिए व्रत करती हैं। हमारी लोकपरंपराएं समाज को जोड़ती हैं और यही हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कजली एकादशी जैसे पर्व केवल धार्मिक महत्व नहीं रखते, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता का संदेश भी देते हैं। उन्होंने राज्य के विकास को दिशा में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की भावना की मार्गदर्शक बताया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान लोक संस्कृति एवं त्योहारों से होती है। यहीं की महिलाएं न केवल परिवार और समाज को संवार रही हैं, बल्कि शिक्षा, राजनीति, सेवा और हर क्षेत्र में योगदान देकर प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं की संस्कृति की संरक्षक बनते हुए उनके योगदान की सराहना की। राज्यस मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि आज तीजा



संस्कृति और परंपराएं आज भी समाज के ताने-बाने की मजबूती प्रदान कर रही हैं। तीजा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि महिलाओं की शक्ति, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। कार्यक्रम में भागीदारी के सदस्य आदिम जाति विकास एवं कृषि मंत्री श्री राम विचार नेनाम, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल, वन एवं संरक्षार्ता मंत्री श्री केदार करपण, वाणिज्य एवं उद्योग

मिलन समारोह में प्रदेश की संस्कृति और परंपरा के रंगों का संगम देखने को मिला। पति को लंबी उम्र के लिए महिलाएं मायका में उपवास करती हैं। महिलाओं को मायका से जुड़ी यादों को तरौताजा करने का पर्व होता है। तीजा मिलन कार्यक्रम में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन परोसे गए। लोकनृत्य और गीतों ने पूरे वातावरण को जलझलाने देती रहीं। यह आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराएं आज भी समाज के ताने-बाने की मजबूती प्रदान कर रही हैं। तीजा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि महिलाओं की शक्ति, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। कार्यक्रम में भागीदारी के सदस्य आदिम जाति विकास एवं कृषि मंत्री श्री राम विचार नेनाम, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल, वन एवं संरक्षार्ता मंत्री श्री केदार करपण, वाणिज्य एवं उद्योग



मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, लोक स्वास्थ्य मंत्री श्री रघुवीर बिहारी जासवाल, महिला एवं जन विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजगड़े, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र यादव, पंचायत मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, सांसद श्री बुधमोहन अग्रवाल, सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी, श्रीमती कमलेश जोगेंद्र और विधायक श्री अनुराग शर्मा, श्री सुनील सोनी, श्री पूरंदर मिश्र भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में महिलाओं को तीजा की शुभकामनाएं दीं और उन्हें समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

छत्तीसगढ़ विद्युत ठेकेदार कल्याण संघ का नया कार्यकारिणी का नक्सल पीड़ितों ने पुलिस महानिरीक्षक से लगाई गुहार गठन देवेश तर्मा बने प्रदेश अध्यक्ष एवं शशांक दास प्रदेश सचिव

रायपुर (नांदगांव टाइम्स)। प्रदेश के समस्त कलास विद्युत ठेकेदार संघ का वार्षिक बैठक 30 अगस्त को होटल शिवम रायपुर में आयोजित किया गया, जिसमें संगठन के हितों के लिए विशेष चर्चा किया गया एवं विद्युत ठेकेदारों ने संगठन को एकजुट करने का संकल्प लेते हुए छत्तीसगढ़ विद्युत ठेकेदार कल्याण संघ कार्यकारिणी का गठन किया। छत्तीसगढ़ के समस्त बिजली से ठेकेदारों ने इस बैठक में बह चर्चाकर हिस्सा लिया। इस बैठक में विद्युत ठेकेदारों से सर्वसम्मति से रायपुर के ठेकेदार श्री देवेश तर्मा को प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व सौंपा, साथ ही प्रदेश संगठन का नवीन पदाधिकारी चयन किया



गया। इस बैठक में श्री शशांक दास प्रदेश सचिव, श्री सुनील रामटेके को सहसचिव, श्री नवीन चंदेल विशेष सलाहकार, श्री वज्रद आलम को महासचिव, श्री

विकास दास को कोषाध्यक्ष, श्री गोलू यादव को महामंत्री, श्री नितेश राइवा को संगठन मंत्री, श्री नितेश व्यास को संचार मंत्री, श्री रजनीकान्त बंजारे को प्रदेश मीडिया प्रभारी, श्री सौरभ सिंह को सोशल मीडिया प्रभारी, श्री हेमंत साहू को जनसंपर्क अध्यक्ष एवं प्रदेश के सभी राजन से प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। श्री दीपेन्द्र गुप्ता, श्री शशांक दास, श्री खलील अहमद, श्री नंदू साहू, श्री प्रदीप सिंह, श्री दीपक पूरणगारे, श्री नितेश चौधरी, श्री सतीश सोमनाथी, श्री दिलेश साव, श्री राजेश भादवाज, श्री भारत मिश्रा, श्री मयूर राठौर, श्री विष्णु पटेल को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। नक्सल पीड़ित परिवारों ने पुलिस महानिरीक्षक से गुहार लगाई है कि उन्हें नक्सल पुनर्वास नीति का लाभ नहीं मिल रहा है, जिससे वे दर-दर भटकने को मजबूर हैं। पीड़ित परिवारों का आरोप है कि गुहमंजी के आदेश को बचाव अधिकारी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे हैं। दर-दर भटकने को मजबूर नक्सल पीड़ित परिवारों ने बताया कि वे अपनी समस्याओं का समाधान करने के लिए दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन अधिकारी उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। इससे वे परेशान हैं और अपनी आवाज बुलंद करने के लिए तैयार हैं।

अंतोदहन की पैदावी नक्सल पीड़ित परिवारों ने बताया कि वे हैं कि अगर उनकी मांगों को नहीं माना गया तो वे राजधानी में अंतोदहन करेंगे। वे परिवार पिछले कई वर्षों से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और अब वे अपनी आवाज बुलंद करने के लिए तैयार हैं। निष्पक्ष कार्यवाई की मांग नक्सल पीड़ित परिवारों ने मांग की है कि उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए दर-दर भटक रहे जाय। वे चाहते हैं कि अधिकारी उनकी बात सुनें और उनकी समस्याओं का समाधान करें।

लाल जे के वैष्णव छोटें राजा बाड़ा छुईखदान बने अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के राष्ट्रीय 5 सचिव

राजस्थान एवं गुजरात का प्रभारी दायित्व भी सौंपा गया

छुईखदान (नांदगांव टाइम्स)। वैष्णव परंपरा एवं मंदिर सेवा से जुड़े अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के वैष्णव छोटें राजा बाड़ा छुईखदान को अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्म देवकुमार बालादाम निर्वाणी द्वारा की गई। साथ ही उन्हें राजस्थान एवं गुजरात का प्रभारी भी बनाया गया है। नांदिक सिंह संघ का व्यापक विस्तार और सुदृढ़ संगठन निर्माण हो सके। लाल जे के वैष्णव वर्तमान में राजी मंदिर छुईखदान, बार्दवाड़ राजकुमार मंदिर और जगत मंदिर के संरक्षक के रूप में सक्रिय हैं और वर्षों से मर्म, परंपरा और मंदिर सेवा के माध्यम से निरंतर अग्रणी भूमिका निभाते आ रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर महंत सुरेंद्र दास (प्रदेश राजन को मंदिर, निर्वाणी अखंड), महंत हेमंत दास, गौरीगढ़ बरारमंडी मंदिर के महाराज चंदन दास जी हनुमान मंदिर राजनांदगांव के महाराज ठोमरा दास की किला मंदिर के पुरोहित दिलीप दास जी पंढाराड़ बड़े जगत मंदिर पुजारी रंकि दास जी मध्य प्रदेश बालादाम लंजी राम मंदिर के पुजारी लक्ष्मी नारायण दास जी कुष्ण मंदिर के पुजारी मनीष दास जी महावीर मंदिर के पुजारी महेश्वर दास ने तथा



सामाजिक बंधु एलडी निर्मांडी राजेंद्र दास वैष्णव संघ के वैष्णव अनुप दास वैष्णव निरुप वैष्णव कुमारा वैष्णव विरिंद वैष्णव सतीश वैष्णव मनोज निर्वाणी बाला वैष्णो ज्ञानी वैष्णव प्रदीप वैष्णव धर्म वैष्णव अमर वैष्णो संतोष वैष्णव राजकुमार वैष्णव सोनेट निर्वाणी राम वैष्णव विष्णु वैष्णव निधि वैष्णव शिव मंदिर जनेश दास वैष्णव पाटी खुर्द हिला मंदिर रामो महाराज जगन्नाथ मंदिर जिर्निंद झा दिग्विजय कलेश गणेश मंदिर शंकर दुवे दुर्गा मंदिर वैष्णव निर्वाणी बाला बाबा मंदिर महेंद्र वैष्णव राजा जगमो मंदिर संतोष वैष्णव डॉ. रंजित द्विवेदी, अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ के युवा इकाई के अध्यक्ष रायचंद दास, महंत नंदकिशोर दास (निर्मोही अखाड़ा), डॉ. सौरभ निर्वाणी (प्रदेश संयोजक, संघ), समस्त संत समाज एवं अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के प्रतिनिधिगण ने महंत एवं और संतोष व्यक्त किया है। संत समाज का मानना है कि लाल जे के वैष्णव की नियुक्ति से संगठन को नई दिशा, गति और शक्ति प्राप्त होगी तथा राजस्थान-गुजरात सहित सम्पूर्ण भारत में मंदिरों के पुजारी-पुरोहित वर्ग को आवाज और अधिक सशक्त होगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी का बौद्ध समाज ने जताया आभार

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। छ.ग. विधानसभा के नवनियुक्त सदस्य में 25 मंदिर के भीतरल डॉ. भीमराज



आम्बेडकर को आमंत्रित करिते पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी का आभार व्यक्त किया। उन जाति एवं अन्य पिछड़ों को समाज में सहजता आभार व्यक्त किया है। बौद्ध समाज के बौद्ध एवं भिक्षु कार्यकर्ता भी विवेक शरीरे ने कृतज्ञ रूप में समाज के द्वारा डॉ. रमन सिंह जी को आभार व्यक्त किया। विधानसभा परिसर में डॉ. भीमराज आम्बेडकर को प्रतिभा स्थापित करने समान दृष्टि अनुभव किया गया था। विवेक शरीरे ने बताया समाज के इस वर्ग को संभलाने में लिया और उसे सार्थक रूप से प्रतिभा स्थापित करने में अपना भरपूर प्रयास किया। यह निर्णय विधानसभा के प्रति हमारी कृतज्ञता प्रकट होता है।। साथ ही साथ आने वाली पीढ़ियों के लिये प्रेरणा का आधार बनने का श्रेय भी विवेक शरीरे ने संज्ञा यह हमारे लिए पर्व का है कि छ.ग. की नवीन विधानसभा परिसर में भारत डॉ. भीमराज आम्बेडकर को स्मरण दिया गया। इसे विशेष रूप से पूरे प्रदेश के अनुपुजित जाति, अनुसूचित जन जाति समाज को समान प्राप्त हुआ है। इस संस्मरणीय पहल से छ.ग. विधानसभा को गरिमा और बढ़ेगी।

चरित्र संदेह के चलते कुल्हाड़ी से वार, कर दी पत्नी की हत्या

24 घंटे के अंदर आरोपी गिरफ्तार, लोहे की कुल्हाड़ी से वार कर दी हत्या को अंजाम

शाना आवागुज चौकी का मामला

अफजान खान



अंभाराग चौकी (नांदगांव टाइम्स)। पत्नी को हत्या करने वाले पार आरोपी को 24 घंटे के भीतर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, प्राप्ती द्वारा प्राप्त उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि 02 सितंबर को प्राप्ती का लड़क देवेन्द्र साहू अपनी पत्नी बालमनी साहू के साथ घर पर सरा की तरह गुप्ता झंझट हो रहा था, उसी

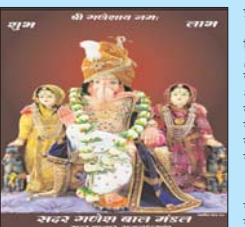
के अनुसार आरोपी महिला को लोहे की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या करना कुटिल विचार था कि आरोपी पकड़ने में पुलिस द्वारा टीम गठित की गई, जिसमें पुलिस अधिकारी, अपोक्षक मोहना पीतलवार पंच, पुलिस अनुप्राणीय अधिकारी अजयगढ़ चौकी तावेकर राजेश बाना प्रभारी निरीक्षक अर्जुन राठौर के कुला दिवंगत ने वार की हत्या गठन कर प्रकरण के पार आरोपी देवेन्द्र साहू पिता बालमनी राम साहू उम्र 35 वर्ष निवासी कोल्हाबुध निकट शान के जंगल में गुप्ता हुआ निवास, पिता चेतारवि कर पकड़कर हत्या संबंधी में पुलाह करने पर जुर्म स्वीकार किया। प्रकरण में आरोपी से परतन में प्रयुक्त लोहे की कुल्हाड़ी को जात किया गया।

सदर गणेश बाल मंडल : राजनांदगांव की परंपरा और आस्था का प्रतीक मारवाड़ी सेठ गणेश

लोगों का विश्वास है कि सदर गणेश बाल मंडल के गणपति जी श्रद्धापूर्वक अर्जों सुनते हैं, परिवार आज भी अपने अनुगतों को बताकर कहते हैं कि सेठ गणेश की कृपा से उनके जीवन की बाधाएं दूर हुईं

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। संक्राण्ण की दृष्ट पर सदर गणेश को पहचान और शास है सदर गणेश बाल मंडल। 1960 से निरंतर गणपति प्रथिमा को स्थापना कर रहा यह मंडल आज भी अपनी परंपराओं और मौलिकता के कारण अलग पहचान रखता है। यही कारण है कि इसे सदर बाबा को शान तक जाता है। कभी यह सदर शाना था कि कोल्हावी काना हुआ करता था, जो अब बसंतपुर पुलिस थान है उस स्थान से लेकर भारत माता की कृपा को लान में आज तक कई परिवारों की बनी और समय के साथ विस्तृत हो गई, लेकिन सदर गणेश बाल मंडल आज भी निरंतर परंपरा निभाते हुए गणपति कृपा को भव्य रूप से प्रतिष्ठित कर रहा है। सदर गणेश बाल मंडल के बाबू रमणीय गणपति सेठों की निरंतरता में गुप्ता यह गणेश उत्सव समिति समस्त रूप से समर्थन देते हैं। इससे गुप्ता बंटी सोती, गुप्ता पांडे (स्वायंजी को चुके हैं) एवं सचिवों हैं। इससे बाबू अर्जुन उर्फ पानी चोपड़ ने महावीर मंडल गणेश उत्सव समिति बनाकर गणेश प्रथिमा निभाई इस समिति ने भी अग्र

गणेश उत्सव का 8 - 10 वर्षों तक यात्रा पकड़वा रही लेकिन बाद में यह समिति भी विस्तृत हो गई। इसके बाद में मित्र मंडल के नाम से है, यह यात्रागुप्त को चले के पाप दीपक इंटरचेंज पोपड़ सराफ पंथ (पंथ) यात्रागुप्त य यात्रागुप्त सोन लुनिया) एवं अन्य के द्वारा समर्थन आंठ और कर्मांक यह एक प्रकार से महावीर मंडल गणेश उत्सव समिति का बटला हुआ रूप है जो दुस्स्थित इधने बहुत ही जल्दी विस्तृत रूप धारण कर चुका है और अपनी भव्यता के चलते चार-पांच साल में ही राजनांदगांव के विभिन्न गणेश मंडलों में विस्तार बना हुआ है। इसी के समानांतर ही सदर गणेश बाल मंडल के पंडाल के रखरखाव महावीर गणेश उत्सव समिति की बहुत ही मध्य धाम के साथ शुरू हुई थी जो आज भी अपनी गरिमा को बना रहा है और भव्यता को प्राप्त कर चुका है। भव्य गणेश, महावीर जयंते एवं सामाजिक दसैं तन मन एवं धन से जुड़े रहते हैं।



सेठ गणेश या मारवाड़ी गणेश के नाम से प्रसिद्ध सदर गणेश की प्रतिमा को पूरे शहर में विशिष्ट स्थान

प्रयुक्त करता है। गणेश जी के साथ विधानसभा रिटिडुर्नरिंद का श्रृंगार किसी महारानी से कम नहीं होता। मारवाड़ी साड़ी, बाल, ओझी-दुपट्टा, चोली, गहनों में गले का हार, हथों में कांठा, कानों की बाली, नाक की नथनी,सिर पर सौरा आदि अलंकरण से सुसज्जित रिटिडुर्नरिंद समस्त लक्ष्मी के समान प्रतीत होती हैं। वहीं गणपति कृपा का भव्य राजस्थानी श्रृंगार, जोधपुरी साज, तुरां-कलरी, मोतीयों की माला आदि का सुंदर श्रृंगार भव्यता गणेश को समस्त रूप ब्रह्मांड के सेठ जी के साथ स्थापन प्रकट करता है।

पारकारियों में भी दर्ज हुई गणपति सन 1988 में कृष्ण युग में आने लगे में ज्ञेय किया था कि यह विधानसभा गणेश जी का स्वयं सेठ जी के समान है। तभी से यह नाम प्रचलित हुआ और आज पूरा शहर ब्रह्मा से उन्हें सेठ गणेश कहकर पुकारता है।बिनाकुछ वर्षों से आशुषि शर्मा सेठ मंडल को विधानसभा प्रदान करने आ रहे हैं। इन्होंने पूरे प्रेमचंद शर्मा, पुत्रावत शरीर,बोध पण्डित अशोक चंद, पुत्रोपगण विवारी, अरुण शर्मा आदि नैय मंडल को अथवा प्रदान की। बालमन में बालमन, मोहन शर्मा, पुत्रोपगण शर्मा, अदीप शर्मा की सहयोग गणेश मंडल की पारकिशर्मा स्थापित करने में सहयोग करते हैं। बोध गणपति जी ब्रह्मापूर्वक अर्जों सुनते हैं। विहास संबंधी कथाएँ ही या संगत प्राप्ति को प्रकट, ब्रह्मायुर्वा अर्ज लाते हैं और उनकी प्रतीकमयता पूर्ण होती है। कई परिवार आज भी अपने अनुगतों को बताकर कहते हैं कि सेठ गणेश की कृपा से उनके जीवन की बाधाएं दूर हुईं।

